नेशनल कोआर्डिनेशन कमिटी ऑफ़

इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लाइज एंड इंजिनियर्स

बीटी रणदिवे भवन, 13-ए, राउज एवेन्यू, नई दिल्ली -110 002,

दूरभाष फैक्स.011- 23219670 ई-मेल: eefederation@gmail.com

18 फरवरी, 2022

परिपत्र

NCCOEEE राष्ट्रीय खंड की एक वर्चुअल बैठक 17 फरवरी, 2022 को हुई। के ओ हबीब ने बैठक की अध्यक्षता की। चर्चा के मुख्य बिंदु और बैठक के निर्णय नीचे संलग्न हैं:

1. जैसा कि पहले 29 जनवरी को चर्चा की गई थी, चंडीगढ़ के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनियन ने 1 फरवरी, 2022 को 100% भागीदारी के साथ एक दिवसीय हड़ताल में भाग लिया। हड़ताली मज़दूर चंडीगढ़ शहर के सेक्टर- 17 में लामबंद हुए, AISGEF के सदस्यों के साथ हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों मज़दूर और बड़ी संख्या में इंजीनियर एकजुटता रैली में शामिल हुए। 7 फरवरी को हड़ताल का आह्वान स्थगित कर दिया गया था।

   पुडुचेरी के कर्मचारियों और इंजीनियरों का संयुक्त मंच निजीकरण के विरोध में 1 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गया। चंडीगढ़ के साथ-साथ पुडुचेरी बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों को एकजुटता के समर्थन में बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का **NCCOEEE** कार्यक्रम पूरे देश में मनाया गया। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में ज्ञापन एलजी और प्रशासक को भेजे गए। **NCCOEEE** के अधिकांश नेता चंडीगढ़ में शारीरिक रूप से मौजूद थे और उन्होंने वहां बड़े पैमाने पर प्रदर्शन को संबोधित किया। 1 फरवरी को पुडुचेरी में भी इसी तरह मज़दूरों की लामबंदी हुयी। तमिलनाडु, केरल के क्षेत्रीय नेताओं ने 1 फरवरी को पांडिचेरी रैली में भाग लिया। श्री शैलेंद्र दुबे और प्रशांत एन चौधरी चंडीगढ़ से पुडुचेरी पहुंचे और 2 फरवरी को उन्हें वहां संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और बिजली क्षेत्र के

निजीकरण के मामले को त्यागने के लिए भारत सरकार के साथ इस मामले में हस्तक्षेप करने का आश्वासन दिया। उन्होंने धरना स्थगित करने की मांग की। उनका अनुरोध मान लिया गया।

2. पुडुचेरी के विपरीत, चंडीगढ़ यूटी में कोई निर्वाचित सरकार नहीं है। इस केंद्र शासित प्रदेश के औपचारिक प्रशासक पंजाब के राज्यपाल हैं। भारत सरकार का एक संयुक्त सचिव इसके शासन को देखता है। इसलिए चंडीगढ़ में अभी तक कोई समझौता या वार्ता नहीं हुई है। पावरमैन यूनियन ने 22 से 24 फरवरी, 2022 तक 3 दिनों की हड़ताल का आह्वान करने का फैसला किया है। इस बीच विभिन्न नागरिक समाज संगठनों ने 15 फरवरी को सामूहिक धरना का आयोजन किया। इस निजीकरण विरोधी संघर्ष को भाजपा और उसके सहयोगियों को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों, ट्रेड यूनियनों, गांवों के किसानों द्वारा समर्थन दिया गया है। **NCCOEEE** ने हड़ताल को सफल बनाने के लिए निम्नलिखित कार्य योजनाओं का निर्णय लिया:

   I. सभी बिजली क्षेत्र के कर्मचारी संगठनों से अनुरोध किया जाएगा कि वे अपने किसी भी सदस्य को पड़ोसी राज्यों से हड़ताल को तोड़ने के लिए चंडीगढ़ में अपनी तैनाती के लिए सहमत न होने दें।

   II. इस निजीकरण विरोधी संघर्ष को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा करते हुए गृह मंत्री, **NCCOEEE** भारत सरकार को ज्ञापन भेजेगा , जिसमें स्पष्ट रूप से यह संकेत होगा कि यदि एस्मा आदि जैसे अलोकतांत्रिक कानूनों को लागू करने और किसी भी हड़ताली कर्मचारी पर कोई दमनकारी / दंडात्मक उपाय लगाया जाता है तो संघर्ष का दायरा पूरे देश में बिजली के क्षेत्र में फैलाया जाएगा।

   III. **NCCOEEE** के घटक संगठन के सभी बिजली कर्मचारियों और इंजीनियर, चंडीगढ़ बिजली कर्मचारियों की निजीकरण विरोधी हड़ताल के समर्थन में अपने सभी राज्यों की राजधानियों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे। कुशल अनुकरणीय मुनाफ़ा देने वाली चंडीगढ़ बिजली उपयोगिता का निजीकरण योजना को समाप्त करने की मांग के साथ गृह मंत्री, भारत सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा।

IV. चंडीगढ़ में आसपास के राज्यों से बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों और इंजीनियरों को सेक्टर -17 में हड़ताली मज़दूरों की रैली में शामिल होने के लिए नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार लामबंध किया जाएगा :

22 फरवरी - हरियाणा, 23 फरवरी - पंजाब, 24 फरवरी - एचपी, यूपी

V. **NCCOEEE** के अग्रणी नेताओं से अनुरोध है कि हड़ताली मज़दूरों की भावना को बढ़ावा देने के लिए चंडीगढ़ में उपलब्ध रहें।

3. **NCCOEEE** ने 23 और 24 फरवरी, 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सही अर्थों और भावना से पूर्ण समर्थन देने का संकल्प लिया। संसद सत्र में विराम को देखते हुए, दो दिवसीय हड़ताल अगले 28 और 29 मार्च को होगी। NCCOEEE ने पुष्टि की कि सभी NCCOEEE संघटक ट्रेड यूनियन के सदस्य हड़ताल में भाग लेंगे और सभी NCCOEEE घटक (NON TU) एसोसिएशन के सदस्य (आपातकालीन ऑपरेशन में लगे हुए को छोड़कर) दिन भर के कार्य बहिष्कार करने में भागीदारी के माध्यम से दोनों दिनों में प्रदर्शन में भाग लेंगे।
4. NCCOEEE ने नेल्लोर जिले के श्री दामोदरम संजीवैया थर्मल पावर स्टेशन को निजी हाथों में स्थानांतरित करने के एपी सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए एपी कर्मचारियों और इंजीनियरों के निजीकरण विरोधी संघर्ष को समर्थन देने का फैसला किया। मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश को संबोधित ज्ञापन का मसौदा परिचालित किया जाएगा। NCCOEEE और सभी राष्ट्रीय संघ और उनके राज्य घटक मुख्यमंत्री, एपी को ज्ञापन भेजकर बिजली स्टेशन को निजी पार्टी को हस्तांतरित करने पर रोक लगाने का अनुरोध करेंगे।

(प्रशांत एन चौधरी)

संयोजक

9830264170